

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

मार्गदर्शन और परामर्श को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Influencing Guidance and Counselling)

मार्गदर्शन और परामर्श एक ऐसी मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जो व्यक्ति को अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने, समस्याओं को हल करने और आत्म-विकास की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करती है। इसकी सफलता कई आंतरिक (Internal) और बाहरी (External) कारकों पर निर्भर करती है। नीचे इनका विस्तृत विश्लेषण दिया गया है –

1. व्यक्तिगत कारक (Personal Factors)

- व्यक्ति की रुचियाँ (Interests), योग्यता (Aptitude) और व्यक्तित्व (Personality Traits) उसकी निर्णय-क्षमता को प्रभावित करते हैं।
- आत्म-जागरूकता (Self-awareness) और आत्म-सम्मान (Self-esteem) परामर्श के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण को तय करते हैं।
- भावनात्मक परिपक्वता (Emotional Maturity) और मानसिक स्वास्थ्य भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- उदाहरण: कोई छात्र जो अपने लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से जानता है, उसे करियर परामर्श से अधिक लाभ होगा।

2. पारिवारिक कारक (Family Factors)

- परिवार व्यक्ति के विकास की पहली इकाई है।
- माता-पिता का व्यवहार, प्रेरणा, और संचार शैली बच्चे के निर्णयों को गहराई से प्रभावित करती है।
- परिवार की आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक मूल्य भी करियर और जीवन की दिशा पर प्रभाव डालते हैं।
- यदि परिवार में सकारात्मक वातावरण और भावनात्मक सहयोग है, तो परामर्श का परिणाम अधिक सफल होता है।

3. शैक्षणिक कारक (Educational Factors)

- विद्यालय या विश्वविद्यालय की शिक्षा प्रणाली, शिक्षकों का व्यवहार, और परामर्श सेवाओं की उपलब्धता महत्वपूर्ण है।



Edit with WPS Office

- शिक्षा में मिलने वाला मार्गदर्शन कार्यक्रम, जैसे करियर मेले, परामर्श सत्र आदि, छात्रों की दिशा निर्धारित करने में सहायक होते हैं।
- शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण विद्यार्थियों की आत्म-विश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करता है।

4. सामाजिक कारक (Social Factors)

- व्यक्ति जिस समाज में रहता है, उसकी मान्यताएँ, परंपराएँ, और सामाजिक दबाव उसके निर्णयों को प्रभावित करते हैं।
- मित्रों और समुदाय से मिलने वाला समर्थन व्यक्ति के व्यवहार और सोच को आकार देता है।
- सामाजिक वर्ग (Social class) और समुदाय के संसाधन भी व्यक्ति के अवसरों को सीमित या विस्तारित कर सकते हैं।

5. आर्थिक कारक (Economic Factors)

- आर्थिक स्थिति व्यक्ति की शिक्षा, करियर विकल्प और जीवन स्तर पर सीधा प्रभाव डालती है।
- वित्तीय कठिनाइयों के कारण व्यक्ति को अपने मनपसंद करियर या शिक्षा के बजाय अन्य विकल्प चुनने पड़ सकते हैं।
- समृद्ध आर्थिक स्थिति परामर्श की प्रक्रिया को अधिक अवसरपूर्ण बनाती है क्योंकि व्यक्ति के पास विकल्प अधिक होते हैं।

6. सांस्कृतिक कारक (Cultural Factors)

- संस्कृति व्यक्ति के मूल्य, दृष्टिकोण, और निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करती है।
- परामर्शदाता को व्यक्ति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझकर ही परामर्श देना चाहिए, ताकि वह संवेदनशील और व्यावहारिक हो।
- उदाहरण: कुछ संस्कृतियों में स्वतंत्र निर्णय लेने की बजाय परिवार की सहमति को प्राथमिकता दी जाती है।

7. पर्यावरणीय कारक (Environmental Factors)

- व्यक्ति का कार्यस्थल, विद्यालय, और रहने का वातावरण उसकी मानसिक स्थिति और प्रेरणा को प्रभावित करता है।
- सुरक्षित, सहयोगी और प्रेरक वातावरण परामर्श को सफल बनाता है।
- शोर, भीड़ या नकारात्मक वातावरण परामर्श की प्रभावशीलता को घटा सकता है।



8. परामर्शदाता से संबंधित कारक (Counsellor-related Factors)

- परामर्शदाता का व्यवहार, व्यक्तित्व, अनुभव और प्रशिक्षण स्तर सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से है।
- एक सहानुभूतिपूर्ण (Empathetic), गोपनीयता रखने वाला (Confidential) और निष्पक्ष (Unbiased) परामर्शदाता अधिक सफल होता है।
- उसकी संचार कौशल (Communication Skills) और व्यक्ति की समझ उसे अधिक प्रभावी बनाती है।

9. सांस्थानिक कारक (Institutional Factors)

- संस्था की नीति, संसाधन, समय और प्रशासनिक समर्थन परामर्श सेवाओं की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।
- यदि संस्थान में नियमित परामर्श कार्यक्रम, कुशल परामर्शदाता, और उचित स्थान व गोपनीयता है, तो सेवाएँ अधिक प्रभावी बनती हैं।

10. तकनीकी और सूचना कारक (Technological and Informational Factors)

- आधुनिक युग में तकनीक परामर्श का अभिन्न हिस्सा बन गई है।
- ऑनलाइन काउंसलिंग, कैरियर वेबसाइट्स, और साइकोलॉजिकल टेस्टिंग ऐप्स ने परामर्श को अधिक सुलभ बना दिया है।
- सूचना की उपलब्धता से व्यक्ति बेहतर निर्णय ले पाता है।

निष्कर्ष (Conclusion):

मार्गदर्शन और परामर्श की प्रभावशीलता अनेक सामाजिक, व्यक्तिगत और संस्थागत कारकों पर निर्भर करती है। जब परामर्शदाता इन कारकों को ध्यान में रखता है, तो वह व्यक्ति को न केवल निर्णय लेने में बल्कि आत्म-विकास और मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद कर सकता है।

